Ans. (a) उत्तर-पूर्वी राजस्थान की जलवायु अर्द्ध-शुष्क है। इस प्रदेश के अन्तर्गत गंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर, पाली, जालौर, सीकर, झुंझुनू एवं चुरु आदि जिले आते हैं। तापमान एवं वर्षा की मात्रा के आधार पर राजस्थान की जलवायु का वर्गीकरण पाँच भागों में किया गया है-

1. शुष्क जलवायु प्रदेश
2. अर्द्ध-शुष्क जलवायु प्रदेश
3. उप-आर्द्र जलवायु प्रदेश
4. आर्द्र जलवायु प्रदेश
5. अति आर्द्र जलवायु प्रदेश

452. निम्नलिखित में से किस स्थान पर राजस्थान में साधारणतः सर्वाधिक वर्षा दर्ज की जाती है?

(a) नाथद्वारा (b) माउण्ट आबू
(c) प्रतापगढ़ (d) रावतभाटा

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम)-2019

Ans. (b) राजस्थान में सामान्य वर्षा 57.5 सेमी होती है। राजस्थान के दक्षिण में स्थित माउंट आबू में सर्वाधिक औसत वार्षिक वर्षा दर्ज की गई है। राजस्थान का सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करने वाला जिला झालावाड़ तथा न्यूनतम वर्षा प्राप्त करने वाला जिला जैसलमेर है।

453. रेह, कल्लर एवं ऊसर किस मृदा के अन्य नाम है?

(a) लवणीय मृदा (b) काली मृदा
(c) लाल मृदा (d) जलोढ़ मृदा

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) -2019

Ans. (a) लवणीय या क्षारीय मृदा को रेह, कल्लर एवं ऊसर मिट्टी भी कहा जाता है। यह मिट्टी मुख्यतः श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, बाड़मेर आदि जिलों में पायी जाती है। इस मिट्टी की लवणीयता व क्षारीयता को कम करने के लिए जिप्सम का प्रयोग किया जाता है।

454. कोपन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार झुंझनू जिले की जलवायु किस कोटि में रखी जा सकती है?

(a) Aw (b) Bshw
(c) Bwhw (d) Cwg

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018

Ans. (b) कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार अर्द्धशुष्क जलवायु (Bshw) नागौर, सीकर, झुंझनू एवं चुरू जिले में पाई जाती हैं। इस जलवायु प्रदेश में औसत वर्षा 300-500 मिमी. होती हैं यहां कांटेदार झाड़ियां एवं घासें पायी जाती हैं।

455. राजस्थान के चुरू जिले में कोपेन वर्गीकरण के अनुसार किस प्रकार की जलवायु स्थित है?

(a) Aw (b) Bwhw
(c) Cwg (d) Amw

कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (b) कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार चुरू की जलवायु स्थिति Bshw व BWhw दोनों क्षेत्रों में है। अतः दिये गये विकल्पों में विकल्प (b) सही होगा।

456. थॉर्नवेट के वर्गीकरण के अनुसार निम्न में से कौन-सी ऊष्माकटिबन्धीय मरुस्थलीय जलवायु को दर्शाता है?

(a) DB'W (b) EA'd
(c) DA'w (d) CA'w

कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (b) थॉर्नवेट ने जलवायु वर्गीकरण के लिए वाष्पोत्सर्जन, वनस्पति, वर्षा, वाष्पीकरण की मात्रा एवं तापमान को आधार बनाया। थॉर्नवेट के वर्गीकरण के अनुसार EA'd ऊष्णकटिबन्धीय मरूस्थलीय जलवायु को दर्शाता है। इसके अन्तर्गत बाड़मेर, जैसलमेर, पश्चिमी जोधपुर, दक्षिणी-पश्चिमी बीकानेर आदि आता है।

457. गोडवार प्रदेश राजस्थान के किस बृहत् भू-आकृति विभाग का हिस्सा है?

(a) पश्चिम शुष्क प्रदेश (b) पूर्व मैदान प्रदेश
(c) अरावली प्रदेश (d) पठार प्रदेश

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (a) गोड़वार प्रदेश राजस्थान के ''पश्चिम शुष्क प्रदेश'' का हिस्सा है। इसका विस्तार अरावली पर्वत के दक्षिण-पूर्व में मेवाड़ तथा दक्षिण-पश्चिम में जालौर और सिरोही तक है। सांडेराव को गोड़वार का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है। यहाँ हर साल गोड़वार महोत्सव मनाया जाता है।

458. पूर्व दिशा में राजस्थान में चलने वाली हवा को क्या कहा जाता है?

(a) पुरवाई (b) लू
(c) पछुआ (d) पश्चिमी विक्षोभ

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (a) पूर्व दिशा से राजस्थान में चलने वाली हवा को ''पुरवाई'' हवा कहा जाता है। यह बंगाल की खाड़ी से आने वाली मानसूनी हवा होती है। इसे पुरूवा, पुरवैया आदि अन्य नामों से भी जाना जाता है।

459. राजस्थान में किस दिशा में वर्षा कम होती जाती है?

(a) उत्तर से दक्षिण
(b) पश्चिम से पूर्व
(c) उत्तर-पश्चिम से दक्षिण -पूर्व
(d) दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (d) राजस्थान में वर्षा दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर कम होती जाती है। राजस्थान में सर्वाधिक वर्षा झालवाड़ जिले में तथा न्यूनतम वर्षा वाला जिला जैसलमेर है। राजस्थान में वर्षा ऋतु जून से मध्य सितम्बर माह तक रहती है।

460. वर्षा जल संरक्षण लाभप्रद है

(a) कृषि के लिए
(b) जल विद्युत के लिए
(c) भूमिगत जल स्तर में सुधार के लिए
(d) सिंचाई के लिए

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (c) वर्षा जल संरक्षण ''भूमिगत जल स्तर में सुधार के लिए'' लाभप्रद होता है। वर्षा जल संचय के द्वारा पेयजल संकट से बचा जा सकता है।

461. निम्नांकित में से कौन सा जिला उप-आर्द्र दक्षिणी मैदानी कृषि जलवायु प्रदेश में स्थित नहीं है?

(a) उदयपुर (b) राजसमन्द
(c) डूंगरपुर (d) भीलवाड़ा

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-2018